नशा विरोधी जागरूकता दिवस

नशा स्वास्थ्य और समाज के लिए घातक : डा. दीपा

शिमला (ब्यूरो): नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए संजौली कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई। नशा विरोधी जागरूकता कमेटी द्वारा आयोजित कार्यशाला में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल शिमला के मैडीकल सोशल वर्कर मीनाक्षी मेहता और क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डा. दीपा राठौर प्रमुख वक्ता रहीं। विशेषज्ञों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन और लघु फिल्मों के माध्यम से विस्तारपूर्वक छात्रों को समझाया कि नशा किस तरह से समाज के लिए कैंसर की तरह घातक सिद्ध हो रहा है। इस मौके पर कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ सीबी मेहता ने कहा कि आज की चुनौती न केवल नशे में लिप्त हुए बच्चों को इस बुराई के चंगुल से बचाना है बल्कि जो अभी इस बुराई के शिकार नहीं हुए हैं उन्हें बचाना भी है, ताकि पहले हम खुद सुरक्षित रहें, उसके बाद दूसरों को भी जागरुक करें। डॉ मेहता ने कॉलेज में एंटी ड्रग्स अवेयरनेस क्लब बनाने की घोषणा करते हुए सभी छात्रों से इसमें भाग लेने का आह्वान किया। कमेटी के अध्यक्ष डॉ रविन्द्र चौहान ने कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं सभी छात्र प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

शिमला सवेरा टाइम्स Sun, 16 December 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/

कॉलेज छात्रों को लघु फिल्म दिखाकर बताए नशे के दुष्प्रभाव

नशा मुक्ति पर कार्यशाला का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

नशा माफिया के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

शिमला। राजधानी के उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र संजौली कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज की नशा विरोधी जागरूकता कमेटी ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए लघु फिल्म दिखाकर नशे के दुष्प्रभाव बताए। कार्यशाला में सैकड़ों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल शिमला से आई मेडिकल सोशल वर्कर मीनाक्षी मेहता और क्लीनिकल सॉइकोलॉजिस्ट डॉ. दीपा राठौर ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार रखे।

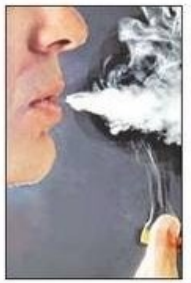

पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया कि किस कदर प्रदेश में नशाखोरी एक गंभीर समस्या बन गई है। छात्र-छात्राओं को बताया कि नशे के सेवन से कैसे मानव शरीर प्रभावित होता है। नशा कैंसर जैसे रोग देता है। कार्यशाला में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीबी मेहता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे में लिप्त एक भी व्यक्ति सारे परिवार और आसपास के समाज के लिए पतन का रास्ता प्रशस्त करता है। आज की चुनौती न केवल नशे में लिप्त हुए बच्चों को इस बुराई के चंगुल से बचाना है, बल्कि जो अभी इस बुराई के शिकार नहीं हुए हैं उन्हें बचाना भी है। डॉ. मेहता ने महाविद्यालय में एंटी ड्रग्स एवेयरनेस क्लब बनाने की घोषणा भी की। कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र चौहान ने कार्यशाला में मौजूद विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्र प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

Amar Ujala, Page No. 7 dt. 16.12.2018

नशा विरोधी जागरूकता दिवस

संजौली कॉलेज में नशा विरोधी जागरुकता कार्यशाला

शिमला। शनिवार को उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली की नशा विरोधी जागरूकता कमेटी द्वारा युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने तथा नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग तीन सौ छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल शिमला से आई मेडिकल सोशल वर्कर मीनाक्षी मेहता और क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. दीपा राठौर प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुई। विशेषज्ञों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन और लघु फिल्मों के माध्यम से विस्तारपूर्वक छात्रों को समझाया कि नशा किस तरह से समाज के लिए कैंसर की तरह घातक सिद्ध हो रहा है। कार्यशाला में उपस्थित महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सीबी मेहता ने कहा कि नशे में लिप्त एक भी व्यक्ति सारे परिवार और आसपास के समाज के लिए पतन का रास्ता प्रशस्त करता है। आज की चुनौती न केवल नशे में लिप्त हुए बच्चों को इस बुराई के चंगुल से बचाना है, बल्कि जो अभी इस बुराई के शिकार नहीं हुए हैं उन्हें बचाना भी डॉ. मेहता ने महाविद्यालय में एंटी ड्रग्स अवेयरनेस क्लब बनाने की घोषणा करते हुए सभी छात्रों से इसमें भाग लेने का आह्वान भी किया। कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र चौहान ने कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं सभी छात्र प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

Aapka Faisla Page No. 8 dt. 16.12.2018

नशा विरोधी जागरूकता दिवस